Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

J 1 8 1 5

PAPER - II
MAITHILI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

MAITHILI
मैथिली
PAPER - II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attemp **all** the questions.

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक निर्धारित अछि। **सभ** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि।

1. ‘त्रिपुण्ड’क रचयिता छथि :

(1) मार्कण्डेय प्रवासी (2) धीरेन्द्र
(3) विश्वनाथ झा ‘विषपायी’ (4) जीवनाथ झा

2. ‘कृषक’ खण्डकाव्यक रचयिता छथि :

(1) दामोदर लाल दास (2) जागेश्वर झा
(3) मथुरानन्द चौधरी ‘माथुर’ (4) लक्ष्मण झा

3. दीनानाथ पाठक ‘बन्धु’ लिखने छथि :

(1) चाणक्य (2) अगस्त्यायनी (3) दत्तवती (4) रावणवध

4. अमरेन्द्र मिश्र लिखने छथि :

(1) संन्यासी (2) मूस–महिमा (3) एकलव्य (4) सीता

5. आरसी प्रसाद सिंहक रचना छनि :

(1) शतदल (2) पत्रहीन नग्न गाछ (3) आशा–दिशा (4) पूजाक–फूल

6. प्रभास कुमार चौधरी लिखने छथि :

(1) उचाट (2) राजा पोखरिमे कतेक मछरी
(3) मंत्रपुत्र (4) दू कुहेसक बाट

7. गंगेश गुंजनक कथा संग्रह अछि :

(1) उचितवक्ता (2) एक खीरा तीन फाँक (3) आइ काल्हि परसू (4) दिदबल

8. सुधांशु ‘शेखर’ चौधरीक नाटक अछि :

(1) चीनीक लड्डू (2) बाढ़ि फेनो औतैक (3) पहिल साँझ (4) कुहेस

9. 'मैथिली नाटकक उद्‌भव ओ विकास' लिखने छथि :

(1) देवकान्त झा (2) लेखनाथ मिश्र (3) हेतुकर झा (4) प्रभावती झा

10. रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' सम्पादन कयने छथि :

(1) जखन-तखनक (2) हालचालक (3) समय-सालक (4) गाम-घरक

11. साहित्य अकादेमीसँ प्रकाशित 'मैथिली गद्य संग्रह'क सम्पादन कयलनि अछि :

(1) देवनारायण साह (2) नारायण झा (3) नरेश कुमार 'विकल' (4) हीरा मण्डल

12. 'श्यामली' अछि :

(1) कथा-साहित्य (2) समालोचना-साहित्य (3) लोक-साहित्य (4) यात्रा-साहित्य

13. 'मिथिलाक इतिहास' लिखने छथि :

(1) मुरारि मधुसूदन ठाकुर (2) उपेन्द्र ठाकुर

(3) गजेन्द्र ठाकुर (4) बच्चा ठाकुर

14. गुणनाथ झा कँ पुरस्कार प्राप्त भेल छनि :

(1) टैगोर पुरस्कार (2) बाल साहित्य पुरस्कार

(3) अनुवाद पुरस्कार (4) युवा पुरस्कार

15. 'मतंग' उपनामसँ विभूषित छथि :

(1) मतिनाथ मिश्र (2) रमानाथ मिश्र (3) रामचन्द्र मिश्र (4) रामचरित्र पाण्डेय

16. अमरेश पाठक छथि :

(1) कवि (2) समालोचक (3) नाटककार (4) उपन्यासकार

17. 'अंकीयानाट विवेचन' लिखने छथि :

(1) मदनेश्वर मिश्र (2) कृष्णकान्त मिश्र (3) नवीनचन्द्र मिश्र (4) ललितेश मिश्र

18. 'चर्याचर्य विनिश्चय' संकलित अछि :

(1) धम्मपदमे (2) बौद्धगान ओ दोहामे (3) वर्णरत्नाकरमे (4) कीर्तिपताकामे

19. 'धूर्त्तसमागम' अछि :

(1) नाटक (2) प्रकरण (3) भाण (4) प्रहसन

20. 'प्रबन्धकाव्य' क श्री गणेश कयलनि :

(1) लोचन (2) गोविन्द दास (3) मनबोध (4) उमापति

21. 'सुमन' जीकेँ 'कविक कवि' कहने छथि :

(1) मुरलीधर झा (2) रमानाथ झा (3) कुमार गंगानन्द सिंह (4) कृष्णनन्दन सिंह

22. 'सव्यसाची' अभिनन्दन ग्रन्थ थिक :

(1) बदरीनाथ झाक (2) आनन्द मिश्रक (3) रामदेव झाक (4) उमानाथ झाक

23. 'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्' कहने छथि :

(1) भरत (2) जगन्नाथ (3) विश्वनाथ (4) मामह

24. 'कान्ता सम्मित तयोपदेश युजे' कहल गेल अछि :

(1) काव्यलक्षणक विषयमे (2) काव्य प्रयोजनक विषयमे

(3) काव्य हेतुक विषयमे (4) काव्य प्रभेदक विषयमे

25. 'जुगुप्सा' स्थायी भाव थिक :

(1) शृंगार रसक (2) करुण रसक (3) वीभत्स रसक (4) हास्य रसक

26. 'रूपक'क भेद होइत अछि :

(1) दस (2) बारह (3) चौदह (4) सोलह

27. 'यौगिक' भेद होइत अछि :

(1) लक्षणाक (2) व्यंजनाक (3) दोषक (4) अभिधाक

28. 'हनुमानक लग क्यो नहि जाय मारिक डरेँ भूत पड़ाय।'–मे अछि :

(1) ओजगुण (2) प्रसादगुण (3) शृंगार रस (4) रूपकालंकार

29. 'रीति' क प्रवर्त्तक मानल जाइत छथि :

(1) धनंजय (2) आनन्दवर्द्धन (3) वामन (4) कुन्तक

30. 'कंटक माझ कुसुम परगास
भमर विकल नहि पाबय पास
रसमति मालति पुन-पुन देखि
पीबय चाह मधु जीव उपेखि' - मे अलंकार अछि :

(1) विशेषोक्ति (2) अतिशयोक्ति (3) समासोक्ति (4) अप्रस्तुत प्रशंसा

31. जतय बिनु कारणहि कार्योत्पत्ति होअय ओतय अलंकार होइत अछि :

(1) विषम (2) विभावना (3) संदेह (4) वक्रोक्ति

32. पायब निज अधिकार कतहु की
बिना __________' एतय रिक्त स्थान मे होयत :

(1) हड़पने (2) तड़पने (3) झगड़ने (4) रगड़ने

33. साहित्य अकादेमी द्वारा 'बाल साहित्य' पर पुरस्कृत छथि :

(1) राजाराम प्रसाद (2) तारानन्द वियोगी (3) नवीन चौधरी (4) देवशंकर नवीन

34. अशोक अविचल लिखने छथि :

(1) मैथिली भाषा शास्त्र (2) मैथिलीक उद्गम ओ विकास
(3) मैथिली भाषा का विकास (4) मैथिली भाषा: सर्वेक्षण आ विश्लेषण

35. 'हिंस' सँ 'सिंह' भेल अछि :

(1) शब्दविपर्ययसँ (2) मात्राविपर्ययसँ (3) वर्णविपर्ययसँ (4) स्वरविपर्ययसँ

36. 'द' क उच्चारण स्थल थिक :

(1) कण्ठ (2) दाँत (3) नाक (4) तालु

37. 'प्रत्यय'क प्रयोग होइत अछि :

(1) शब्दक आदि मे (2) शब्दक मध्य मे (3) शब्दक अन्त मे (4) कतहु नहि

38. 'मैथिली काव्योपवन' लिखने छथि :

(1) जयनारायण झा 'विनीत' (2) सोमदेव

(3) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' (4) सीताराम झा

39. 'भारती' उपन्यासक लेखिका छथि :

(1) वीणा ठाकुर (2) शेफालिका वर्मा

(3) आशा मिश्र (4) लिली रे

40. 'अभिनन्दन' कथासंग्रहक कथाकार छथि :

(1) सुभाष चन्द्र यादव (2) मायानन्द मिश्र

(3) अशोक (4) नगेन्द्र कुमर

41. 'अनवरत' थिक :

(1) कथा संग्रह (2) कविता संग्रह (3) निबन्ध संग्रह (4) एकांकी संग्रह

42. 'लक्ष्मण रेखा खण्डित' लिखने छथि :

(1) रेवती रमण झा (2) महेन्द्र मलंगिया (3) गोविन्द झा (4) कमल मोहन 'चुन्नू'

43. 'समालोचना शास्त्र' लिखने छथि :

(1) जयधारी सिंह (2) अमरनाथ झा (3) शैलेन्द्र मोहन झा (4) लेखनाथ मिश्र

44. लोक साहित्य पर पोथी लिखने छथि :

(1) प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' (2) सुकान्त सोम

(3) जयमन्त मिश्र (4) विवेकानन्द ठाकुर

45. 'मिथिला दर्शन' में 'आखर लेख' लिखैत छथि :

(1) उदयनारायण सिंह 'नचिकेता' (2) रामलोचन ठाकुर

(3) महेन्द्र हजारी (4) राजनन्दन लाल दास

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **46** सँ **50**) क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

गद्य रचनाक दृष्टिएँ सोलहम शताब्दी सँ उनैसम शताब्दी धरिक अवधि केँ मैथिली गद्यक विकासक मध्यकाल कहब उपयुक्त होयत। एहिकालमे संलापक भाषामे निरंतर परिवर्तन होइत रहल जकर प्रमाण तँ भेटैत अछि, किन्तु साहित्यमे ओकर प्रवेश नहि भऽ सकल। एकर कारण रहल विद्यापतिक गीतक प्रबल प्रवाह। काव्यक भाषा ओ काव्यक रूप विद्यापतिक काव्य परम्पराक सीमा रेखा में रूढ़ भऽ गेल। अत: गद्य साहित्यक निर्माणक दिशामे कोनो प्रेरक प्रतिमान स्थापित नहि भऽ सकल। मिथिलामे मैथिली गद्यक नाम पर अठारहम-उनैसम शताब्दीक किछु राजकीय व्यवस्थापत्र, बहिखत, जनौढ़ी, अकरारनामा, कुशलपत्र मात्र विद्वान-लोकनि संकलित कऽ सकलाह अछि। एकर सभक महत्व इतिहास, समाजशास्त्र आ भाषा-शास्त्रक दृष्टिएँ जे होअओ, साहित्यक दृष्टिएँ एकर कोनो मूल्य नहि अछि। एहि अवधिमे मिथिलामे प्रचुर संख्यामे नाटकक रचना भेल। नाटकमे संवादक रूपमे मैथिली-गद्यक प्रयोगक सम्भावना छल। नाटककार लोकनि ओहि नाटक सबमे मैथिली गीतक पुष्कल समावेश करैत रहलाह, परन्तु गद्य संवाद मे की तँ संस्कृते प्राकृतक प्रयोग कयलनि अथवा ओहू सँ विरत रहलाह।

अवश्ये बहिरंग मैथिली-साहित्यमे नाटकीय गद्यक एकटा अबाध परम्परा देखबामे अबैत अछि। असममे महापुरुष शंकरदेव वैष्णवमतक प्रचारार्थ नाट्य विधाकेँ माध्यम बनौलनि। असममे एहि नाट्य विधाक प्रसिद्धि, 'अंकीयानाट' नाम सँ भेल। शंकरदेव स्वयं अनेक रचना कयलनि तथा हुनक शिष्य परम्परामे माधवदेव, गोपालदेव, हरिचरण ठाकुर, दैत्यारि ठाकुर इत्यादि द्वारा ई अंकीयानाट-परम्परा चलैत रहल। एहि अंकीयानाटमे मैथिली गद्यक प्रयोग अबाध रूप सँ कयल जाइत रहल। अंकीया नाटक मैथिली गद्य संवादमे अपरभाषिक प्रभावक कारणेँ स्वरूपगत स्खलन रहितो ओकर प्राण तत्व मैथिलीक अछि, ताहिमे सन्देह नहि। दोसर दिस नेपालक मल्लराजवंशक आश्रय मे सतरहम-अठारहम शताब्दीमे अजस्त्र मैथिली नाटकक रचना भेल। नेपालक मैथिली नाटकमे गीतक संगहि प्रांजल मैथिली गद्य संवाद प्रचुर परिमाण मे प्रयुक्त भेल अछि।

46. एहिकाल मे निरंतर परिवर्त्तन होइत रहल :
(1) संवादक भाषामे (2) आह्लादक भाषामे (3) अलापक भाषामे (4) संलापक भाषामे

47. विद्यापतिक काव्य परम्पराक सीमारेखामे भऽ गेल :
(1) दृढ़ (2) रूढ़ (3) समाप्त (4) व्याप्त

48. एहि अवधि में मिथिलामे प्रचुर संख्यामे रचना भेल :
(1) कथाक (2) उपन्यासक (3) नाटकक (4) कविताक

49. असममे एहि नाट्य विधाक प्रसिद्धि भेल :
(1) मिथिला नाटक नामसँ (2) नेपालीय नाटक नामसँ
(3) अंकीयानाट नामसँ (4) कीर्त्तनियाँ नाटकनामसँ

50. एहि अंकीयानाटमे प्रयोग अवाध रूप सँ कयल जाइत रहल :
(1) मैथिली गीतक (2) मैथिली गद्यक (3) मैथिली लोकोक्तिक (4) मैथिली छन्दक

- o 0 o -

Space For Rough Work